शादी से नाराज़ अर्चना ने दोस्त के साथ रची गुमशुदगी की कहानी

- जीआरपी ने नेपाल बॉर्डर से बरामद की अर्चना तिवारी, दोस्त सारांश से हुई पूछताछ में राज़ खुला

नव भारत न्यूज

इंदौर/शाजापुर. इंदौर से कटनी जा रही युवती अर्चना तिवारी की अचानक हुई गुमशुदगी का राज़ आखिरकार खुल गया. सात अगस्त को इटारसी के बाद रहस्यमयी तरीके से लापता हुई अर्चना को जीआरपी ने नेपाल बॉर्डर से बरामद कर लिया है. इस हाई प्रोफाइल मामले में पुलिस ने शुजालपुर निवासी सारांश रखोबचंद को हिरासत में लेकर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया.

रेल पुलिस अधीक्षक राहुल लोढ़ा ने प्रेसवार्ता में जानकारी दी कि पेशे से एडवोकेट अर्चना तिवारी का परिचय इंदौर में एग्रीकल्चर ड्रोन कंपनी चलाने वाले सारांश से हुआ था. दोनों की नजदीकियां बढ़ीं और इस बीच अर्चना का परिवार उसकी शादी तय करने लगा. शादी से नाराज़ अर्चना ने सारांश के साथ मिलकर खुद की गुमशुदगी का नाटक रच डाला. सात अगस्त को वह इटारसी स्टेशन पर ट्रेन से उतर गई और सीधे शाजापुर जिले के शुजालपुर पहुंचकर सारांश के पास चली गई. इसके बाद सारांश ने उसे हैदराबाद से दिल्ली और फिर नेपाल बॉर्डर तक पहुंचा दिया. घटना के बाद जीआरपी ने नर्मदा नदी, रेलवे ट्रैक और जंगलों तक में खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली. अंततः सारांश से पूछताछ में पूरी कहानी सामने आई और पुलिस ने अर्चना को सुरक्षित बरामद कर लिया.के नाम से...

सिंहस्थ पूर्व गूंजेगा नमस्कार, आप सुन रहे है आकाशवाणी

- कर्मचारियों की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा हुई
- मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने दी बड़ी सौगात
- विद्यापति क्षेत्र में विकसित हो रहा सेंटर

नवभारत न्यूज

उज्जैन. नमस्कार आप सुन रहे हैं आकाशवाणी, सिंहस्थ 2028 के पहले यह शब्द उज्जैन में गूंजने वाला है, जिसकी तैयारी पूरी हो चुकी है. कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, उज्जैन से इसका सीधा प्रसारण किया जाएगा जो पूरे भारत में सुनाई देगा.

नवभारत से चर्चा में आकाशवाणी केंद्र के प्रभारी अधिकारी राजेश भट्ट ने बताया कि बुधवार को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें 100 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया, इसमें से जो सिलेक्ट होगा उसे प्रक्रिया के अंतर्गत कार्यभार सौंपा जाएगा.

आज स्वर परीक्षण, कल साक्षात्कार

आकाशवाणी केंद्र के प्रभारी अधिकारी राजेश भट्ट ने बताया कि जिन 100 लोगों ने लिखित परीक्षा दी है उसका परिणाम आने पर बता दिया जाएगा, साथ ही गुरुवार को अभ्यर्थियों का स्वर परीक्षण रखा गया है और शुक्रवार को साक्षात्कार होगा.

स्थानीय रोजगार के अवसर

इस केंद्र के आने से लोकल जॉब्स के मौके बढ़ेंगे और बेरोजगारी कम करने में मदद मिलेगी. आकाशवाणी केंद्र शहर में मीडिया और कम्यूनिकेशन के लिए नया प्लेटफ़ॉर्म देगा, जिससे लोकल कल्चर, इवेंट्स और डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा, सिग्नल कवरेज, नई टेक्नोलॉजी और मीडिया सुविधाओं के बेहतर इस्तेमाल के जरिए शहर का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत होगा.

विद्यापति में खुला है केंद्र

नानाखेड़ा स्टेडियम के सामने विद्यापति नगर में यह आकाशवाणी केंद्र खुल चुका है, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आकाशवाणी केंद्र को सिंहस्थ 2018 में मिल का पत्थर साबित होना बताया. धार्मिक सामाजिक आध्यात्मिक और स्थानीय प्राचीन परंपराओं का जीवंत प्रसारण आकाशवाणी के माध्यम से किया जा सकेगा, जिसे नई पीढ़ी भी सुनेगी.

आकाशवाणी के कार्यक्रमों पर एक नजर

आकाशवाणी भोपाल के कार्यक्रम प्रमुख राजेश भट्ट ने बताया उद्घोषणा कार्य, महिला कार्यक्रम, ग्रामसभा, युववाणी कार्यक्रम असाइनी प्रोविजनल पैनल के कार्यक्रम होंगे. समय-समय पर नए प्रोग्राम भी प्रारंभ किए जाएंगे और जो पुराने जमाने के कार्यक्रम चलते आए और लोकप्रिय है उन्हें भी आकाशवाणी के माध्यम से प्रसारित किया जाएगा.

विक्रम यूनिवर्सिटी में हुई परीक्षा

शहर में खुलने वाले आकाशवाणी केंद्र की प्रोविजनल पैनल के मद्देनजर लिखित परीक्षा विक्रम विवि के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग में बुधवार को हुई. इस आकाशवाणी केंद्र में नौकरी की लालसा लिए 200 से अधिक लोगों ने पूछताछ की, जिसमें से 100 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में शामिल होकर अपनी किस्मत आजमाई है जो यह नौकरी पाना चाहते हैं.

अवैध वन कटाई और परिवहन करने वालों पर करें कार्रवाई

- संभागायुक्त ने बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश
- संभाग स्तरीय टास्क फोर्स वन वृत्त इंदौर की बैठक सम्पन्न

नव भारत न्यूज

इंदौर. संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय टास्क फोर्स वन वृत्त इंदौर की बैठक गूगल मीट के माध्यम से आज संभागायुक्त कार्यालय में सम्पन्न हुई.

गूगल मीट के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षक ग्रामीण, इंदौर संभाग के सभी जिलों के जिला कलेक्टर्स, पुलिस अधीक्षक एवं वनमण्डलाधिकारी, उपायुक्त परिवहन, जिला खनिज अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए. बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने इंदौर संभाग में टास्क फोर्स के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की. बैठक में संभागायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि संभाग के सभी जिलों में अवैध वन कटाई और परिवहन के सक्रिय गिरोह पर अंकुश लगाया जाये. संभाग के अधिकांश जिले में जनजातीय वर्ग बहुल संख्या में है. जनजातीय वर्ग की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिये जंगली जानवरों के हमले से बचाव किया जाये. बैठक में आईजी श्री अनुराग, संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, जनजातीय कार्य विभाग इंदौर संभाग के डिप्टी कमिश्नर श्री बृजेशचन्द्र पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक अजाक इंदौर संभाग शेरसिंह भूरिया, मुख्य वन संरक्षक पी.एन. मिश्रा, डीपीओ आर.एस. भदौरिया, माइनिंग अधिकारी जगदीप नामदेव, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिक एस.के. जैन, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य डॉ. पूर्णिमा गडरिया सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.

अतिक्रमणकारियों पर हो कार्रवाई

संभागायुक्त ने कहा कि सेंधवा और बड़वानी वन मण्डलों की वन भूमि पर अपात्र कब्जाधारियों के बेदखली हेतु वन, पुलिस एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाये. अतिक्रमणकारियों को वन अमले द्वारा समझाईश देने के बावजूद भी जो लोग लगातार असहयोग करते हैं उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई होना चाहिये. बैठक में निर्देश दिए गये कि अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर दोषियों को कारावास और जुर्माना, दोनों से दंडित किये जाने की कार्रवाई की जाये। अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध जिलाबदर की कार्रवाई की जाये.

जिला प्रशासन ने पेट्रोल पम्प किया सील

- बगैर हेलमेट के पेट्रोल देने सहित पायी गई कई अनियमितताएं

नव भारत न्यूज

इंदौर. कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा जारी बगैर हेलमेट पेट्रोल नहीं देने संबंधी आदेश का प्रभावी पालन सुनिश्चित कराया जा रहा है. जिला प्रशासन के अमले द्वारा लगातार पेट्रोल पम्पों की जाँच की जा रही है. इसी क्रम में बुधवार को प्राप्त शिकायत के आधार पर बीपीसीएल कंपनी के खजराना पेट्रो नीड्स, खजराना इंदौर के प्रोपरायटर अभय पिता माणकलाल जैन द्वारा संचालित पेट्रोल पम्प की औचक जांच खाद्य एवं राजस्व विभाग इंदौर के अधिकारियों द्वारा की गई.

मौके पर पम्प संचालक द्वारा बगैर हेलमेट पहनने वाले दो पहिया वाहन चालकों को लगातार पेट्रोल देना पाया गया. जाँच दल द्वारा सीसीटीवी फुटेज देखे गए जिसमें लगातार 5 दिन तक बिना हेलमेट के पेट्रोल देना पाया गया. साथ ही एक हेलमेट पम्प संचालक मैनेजर द्वारा पम्प पर रखा पाया गया, जिसको अदला बदली करके पेट्रोल देने का काम किया जाता था, उस हेलमेट को भी जब्ती में लिया गया है. इसके अतिरिक्त मौके पर पम्प परिसर में पीयूसी सेंटर का संचालन होना नहीं पाया गया. मौके पर उपभोक्ताओं को पेट्रोल में इथेनॉल मिक्स होने संबंधी जानकारी का प्रदर्शन होना नहीं पाया गया. मौके पर उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए पीने के पानी एवं वाहनों में भरने हेतु हवा की उचित व्यवस्था होना नहीं पाया गया. मौके पर पम्प परिसर के पेट्रोल के स्टॉक में छूट सीमा से अधिक अंतर होना पाया गया एवं पेट्रोल के सैंपल लेकर, जिसके कारण भूमिगत टैंक में जांच समय उपलब्ध 11,000 लीटर पेट्रोल जिसकी बाजार कीमत 11 लाख 66 हजार रूपये आंकी गई है, को पम्प के प्रोपरायटर अभय जैन से जप्त किया गया है उपभोक्ताओं के हित में पेट्रोल पम्प को न्यायालय के आगामी आदेश तक सील कर दिया गया.

जांच कार्रवाई में तहसीलदार प्रीति भिसे, सहायक आपूर्ति अधिकारी कल्पना परामानिक, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अंकुर गुप्ता सम्मिलित थे.

एक बार फिर शिलांग पुलिस आई इंदौर

- जेल रोड से खरीदे मोबाइल से बनी थी हत्या की ब्लूप्रिंट

नव भारत न्यूज

इंदौर. राजा रघुवंशी हत्याकांड में जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, नए-नए खुलासे हो रहे हैं. ताजा जानकारी के मुताबिक, हत्या की साजिश रचने के लिए राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी और उसके प्रेमी राज कुशवाह ने जेल रोड से नए मोबाइल खरीदे थे. इन्हीं मोबाइल से दोनों के बीच लगातार बातचीत और चैटिंग होती रही और राजा की मौत का पूरा ब्लूप्रिंट तैयार हुआ.

शिलांग की ईस्ट खासी हिल्स पुलिस को जांच के दौरान मोबाइल खरीद की अहम कड़ी मिली. इसी सुराग की तफ्तीश के लिए शिलांग पुलिस की टीम एक बार फिर इंदौर पहुंची है. डीसीपी क्राइम राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, अपराध शाखा भी इस जांच में सहयोग कर रही है. सूत्रों के मुताबिक, नए मोबाइल खरीदने के बाद सोनम और राज ने हत्या की प्लानिंग को अंजाम तक पहुंचाने के लिए इन्हीं नंबरों का इस्तेमाल किया. वारदात के दौरान राज लगातार अपने साथियों से संपर्क में था और पल-पल की जानकारी ले रहा था. हत्या के बाद दोनों ने ये मोबाइल बंद कर दिए थे. बताया जा रहा है कि शिलांग पुलिस की विवेचना लगभग पूरी हो चुकी है और चालान कोर्ट में पेश करने की तैयारी है. लेकिन मोबाइल खरीद से जुड़ी इस नई कड़ी ने केस को और मजबूत कर दिया है. चालान पेश करने से पहले पुलिस टीम इंदौर में जुटी हुई है और जेल रोड क्षेत्र में जानकारी खंगाल रही है.

इंदौर से ले जाए गए बुजुर्ग की आश्रम में मौत

- जमीन विवाद से जुड़ा मामला परिजनों ने चाचा पर लगाए आरोप
- कलेक्टर से जांच की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर से पुलिस द्वारा सर्च वारंट पर उठाए गए बुजुर्ग की वृद्धाश्रम में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई. परिवार का आरोप है कि यह पूरा विवाद 11 बीघा जमीन को लेकर है, जिसमें मृतक के छोटे भाई और उनके परिजनों की साजिश सामने आ रही है.

सुभाष नगर निवासी शिवजी राव को 18 अगस्त को पुलिस शुजालपुर एसडीएम के आदेश पर इंदौर से ले गई थी. उनकी बेटी अनीता पंवार ने बताया कि पिता पिछले एक साल से बीमार थे और वे अपनी तीनों बेटियों के साथ रह रहे थे. पुलिस को समझाने की कोशिश की गई कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है, लेकिन अधिकारियों ने बात नहीं मानी और उन्हें जबरन ले जाया गया. मृतक के छोटे भाई के बेटे आकाश राव ने एसडीएम शुजालपुर से सर्च वारंट निकलवाया था.

अदालत में सुनवाई की तारीख भी तय थी. विवाद इस बात को लेकर है कि बुजुर्ग को कौन अपने पास रखे. इसी कारण उन्हें एसडीएम के निर्देश पर वृद्धाश्रम में रखा गया, जहां देर रात तबीयत बिगड़ने के बाद उनकी मौत हो गई. मृतक की बेटी अनीता पंवार ने कलेक्टर को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि चाचा अशोक राव ने उनकी 11 बीघा जमीन पर कब्जा कर लिया है, जबकि वह कानूनी रूप से तीनों बहनों की है. पिता को जबरन चाचा के पास रखने का दबाव बनाया जा रहा था. उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है. फिलहाल पुलिस और प्रशासन दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर रहे हैं.

श्रम सुरक्षा प्रावधानों का बेहतर पालन होगा

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 20 अगस्त. राज्य के उद्योग तथा व्यवसायों के लिए श्रम कानूनों के प्रमुख प्रावधानों एवं औद्योगिक स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के परिपालन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के सुचारू क्रियान्वयन करने वाले प्रबंधन हेतु श्रम स्टार रेटिंग की परिकल्पना की गई है.

गत दिवस राज्य के उद्योग तथा व्यवसायों के प्रतिष्ठित संगठनों तथा प्रबंधकों से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस संबंध में चर्चा की गई. श्रम विभाग के सचिव रघुराम एम राजेन्द्रन ने इस अवसर पर कहा कि सभी के सहयोग से श्रम सुरक्षा प्रावधानों का बेहतर परिपालन किया जायेगा.

चर्चा के प्रारंभ में सचिव श्रम राजेन्द्रन द्वारा प्रस्ताव की प्रारंभिक रूप रेखा प्रस्तुत की और श्रम आयुक्त ने इसकी आवश्यकता और उपयोगिता पर प्रकाश डाला.

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
एन एफ एल NFL A Navratna Company
A-A/2] कार्यालय परिसर, गौतम नगर, भोपाल पिन- 462023(M.P.)
मोबाइल नंबर 9314397368, 9308602193

भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित बीज प्रसंस्करण इकाइयों से मध्य प्रदेश राज्य में रबी-2025-26 में विपणन के लिए गेहूं के नए प्रमाणित बीजों की आपूर्ति के लिए ई-निविदा आमंत्रित करने संबंधित सूचना।
ई- निविदाओं को जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक **01.09.2025 को 15.00 बजे** तक है।
अधिक जानकारी के लिए कृपया **www.nationalfertilizers.com & www.etenders.gov.in/eprocure/app** वेबसाइट देखें।
किसी भी शुद्धिपत्र / संशोधन को केवल एनएफएल वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा।
आंचलिक प्रबंधक, भोपाल

इचलकरंजी महानगरपालिका, इचलकरंजी
ता. हातकणंगले जि. कोल्हापूर

जाहिर ई-निविदा सूचना क्र. ९/२०२५-२०२६

पाणी पुरवठा विभागाकडील माझी वसुंधरा ४.० अंतर्गत मियावॉकी/घनदाट जंगल विकसीत करणे तसेच सोलार पॅनेल बसविणे इत्यादी तदअनुषंगीक कामे करणेची जाहिर ई-निविदा क्रं. ९/२०२५-२६ www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि. २१/०८/२०२५ रोजी स. ११.०० वाजले पासून प्रसिध्द करणेत येत आहे. सविस्तर जाहिरात www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

जा.क्रं. पा.पु.वशि.१५७८/२०२५ | सही/-
महानगरपालिका कार्यालय | उपायुक्त
दि. २०/०८/२०२५ | इचलकरंजी महानगरपालिका

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
(समविश्वविद्यालय, विशिष्ट श्रेणी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
शांति मार्ग, श्यामला हिल्स, भोपाल-462002 (म.प्र.), वेबसाईट : www.nitttrbpl.ac.in

विभिन्न स्कूल/विभाग के अंतर्गत शिक्षार्थी केंद्रित पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु सेवारत शिक्षकों, कार्यरत पेशेवरों / उद्योग कर्मियों एवं उत्साही शिक्षार्थियों जो भविष्य में नेतृत्व प्रदान कर सके, से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

पीजी प्रवेश

एमबीए

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (पब्लिक पॉलिसी एंड मैनेजमेंट)

एम.टेक और एम.एससी.

स्कूल	प्रोगाम विशेषज्ञता
स्कूल ऑफ साइंस	एम.एससी. बायोफार्मास्युटिकल साइंस
	एम.एससी. फिजिक्स (सेमीकंडक्टर साइंस एंड टेक्नोलॉजी)
स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	एम.टेक. ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट
	एम.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (बिग डेटा एनालिटिक्स)
	एम.टेक. ग्रीन टेक्नोलॉजी
	एम.टेक. वीएलएसआई एवं माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स
	एम.टेक. कंप्यूटर एडेड डिज़ाइन मैन्युफैक्चर एंड ऑटोमेशन

❖ **सभी पीजी कार्यक्रम प्रस्तुतिकरण में आवश्यकतानुसार परिवर्तनीय हैं और भविष्य के लिए आवश्यक कौशल के विकास हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से एकीकृत हैं।**
- आरक्षण भारत सरकार के मानदंडो के अनुसार।
- महत्वपूर्ण जानकारी, निर्देश, तिथि एवं आवेदन आदि की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया बेवसाइट www.nitttrbpl.ac.in को नियमित रूप से देखें।
- प्रश्न/जानकारी के लिए कॉल करें मो. 8005725558, 9424614502

निदेशक

परिवहन सुविधा ▶ बिना पैसे खर्च किए बसें चलाने की तैयारी में परिवहन विभाग, प्रक्रिया शुरू

पीपीपी मोड की लक्जरी बस में सफर करेंगे यात्री

कन्हैया लोधी

भोपाल, 20 अगस्त. पिछले दो दशक से भी अधिक समय से प्रदेश में सरकारी यात्री बसों की सुविधा का इंतजार की दिशा में सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं. प्रदेश में जल्द ही पीपीपी मोड पर यात्रियों को वाजिब किराए पर लक्जरी बसों में सफर करने का मौका मिलेगा.

इससे किराये को लेकर प्रदेश में निजी ऑपरेटरों की मोनोपॉली पर धीरे से रोक लग जाएगी और फिर सड़कों पर सरकार के नियंत्रण वाले यात्री बसों का कब्जा होगा. परिवहन विभाग ने इसके लिये पूरी तैयारी कर ली है. मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना के तहत प्रदेश में इसी वर्ष यात्री बसों का संचालन शुरू हो जाएगा. इसके लिए प्रदेश में एक होल्डिंग कंपनी बनेगी, जिसे मप्र यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड कहा जाएगा. इस होल्डिंग कंपनी के तहत 7 और सहायक कंपनियां अलग- अलग क्षेत्रों में होगी, जो बसों के संचालन और प्रबंधन को नियंत्रित करेगी. इसकी शुरूआत उज्जैन से होगी. उज्जैन के अलावा इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा और सागर में ये कंपनियां होंगी.

अभी प्रदेश में सड़क परिवहन के लिए सरकारी सुविधा के अभाव में पूरा नियंत्रण निजी ऑपरेटरों का है. वर्ष 2005 में मप्र सड़क परिवहन विभाग के परिसमापन के बाद निजी ऑपरेटरों का दायरा लगातार बढ़ा है. ये भी प्रदेश के हैवी ट्रेफिक रूट में यात्री बसों का संचालन कर रहे हैं. ऐसे क्षेत्र जहां यात्रियों की संख्या कम है, उन क्षेत्रों में परिवहन के लिये लोकल वाहनों का ही सहारा है. इन बसों को परमिट राज्य सरकार देगी. सबसे बड़ी बात कि जिन रूट पर बसों का संचालन होगा, वहां अन्य बसें नहीं चलेंगी.

कमांड कंट्रोल सेंटर से नियंत्रित होंगी बसें

योजना के तहत प्रदेश में पीपीपी मोड में जो बसें संचालित होंगी, उसका कंट्रोल पूरी तरह सरकार के पास होगा. स्टेट कमांड कंट्रोल सेंटर बनाया जाएगा. ये कंट्रोल सेंटर इतना हाईटेक होगा, कि वहां से बस की स्पीड पर निगरानी रखी जा सकेगी. यदि ड्राइवर ओवर स्पिडिंग करते मिला तो उसे कंट्रोल सेंटर से चेतावनी दी जा सकेगी. इतना ही नहीं यदि वाहन चलाते समय ड्राइवर को नींद आने लगती है और वह झपकी लेता है तो कंट्रोल सेंटर को पता चल जाएगा.

पितृपक्ष में सोगरिया-गया स्पेशल ट्रेन चलेगी

भोपाल. पितृपक्ष पर गया में पिंडदान और तर्पण करने जाने के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी. श्रद्धालुओं की यात्रा को देखते हुए रेल प्रशासन ने अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है. इस सुविधा का लाभ भोपाल मंडल के यात्रियों को भी मिलेगा, क्योंकि यह विशेष रूठियाई, गुना एवं अशोकनगर पर भी ठहरेगी. गाड़ी संख्या 09817 सोगरिया-गया पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन 6, 13 एवं 20 सितंबर को सोगरिया स्टेशन से रात 23:10 बजे प्रस्थान कर अगले दिन रविवार को रात 23:45 बजे गया स्टेशन पहुँचेगी.

पेज एक शेष...

जिम्मेदारी से कार्य करें कलेक्टर और अधिकारी

तत्कालीन कलेक्टर अवधेश शर्मा, जिला विदिशा और विकासखंड बासौदा के लिए कलेक्टर अंशुल गुप्ता (प्रशिक्षण पर), तत्कालीन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, जिला झाबुआ और विकासखंड थांदला, मेघनगर, रामा व राणापुर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जितेन्द्र सिंह चौहान, जिला रतलाम और विकासखंड बाजना के लिए कलेक्टर राजेश बाथम, जिला अनूपपुर और विकासखंड पुष्पराजगढ़ के लिए कलेक्टर हर्षुल पंचोली और जिला शहडोल और विकासखंड पाली के अधिकारियों को सम्मानित किया. जिला डिण्डौरी और आकांक्षी विकासखंड करंजिया, मेहेंदवानी व बजाग के लिए संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी तथा तत्कालीन कलेक्टर हर्ष सिंह, जिला खरगोन और विकासखंड भगवानपुर तथा झिरन्या के लिए कलेक्टर भाव्या मित्तल और तत्कालीन कलेक्टर कर्मवीर शर्मा, जिला राजगढ़ और विकासखंड जीरापुर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अर्पित गुप्ता, जिला श्योपुर और विकासखंड श्योपुर, कराहल तथा विजयपुर के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अतेन्द्र सिंह गुर्जर तथा तत्कालीन कलेक्टर लोकेश कुमार जांगीड़, जिला अलीराजपुर और विकासखंड कट्ठीवाड़ा के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत प्रखर सिंह, जिला छतरपुर और विकासखंड बक्सवाहा के लिए सीईओ जिला पंचायत तपस्या परिहार तथा तत्कालीन कलेक्टर संदीप जीआरजी, जिला पन्ना और विकासखंड अजयगढ़ के लिए सीईओ जिला पंचायत उमराव सिंह, जिला सतना और विकासखंड मझगवां के लिए सीईओ जिला पंचायत संजना जैन तथा तत्कालीन कलेक्टर अनुराग वर्मा तथा टीम को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया.

सम्पूर्णता अभियान ने शासन-प्रशासन की कार्य संस्कृति को दी नई दिशा : मुख्य सचिव

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि सम्पूर्णता अभियान ने शासन-प्रशासन की कार्य संस्कृति को नई दिशा दी है. डेटा आधारित मूल्यांकन और स्कोरिंग प्रणाली तथा प्राथमिकताओं की स्पष्टता व पारदर्शिता से प्रशासनिक दक्षता और जन सेवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है. इससे जिलों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी प्रोत्साहन मिला है. नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद्र ने कहा कि प्रदेश के समुख बड़ी चुनौती थी, परंतु प्रदेश के अधिकारियों के समर्पित प्रयासों से लक्षित संकेतों में सम्पूर्णता प्राप्त करना संभव हुआ है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60